Download pdf:- www.studyhelper.in

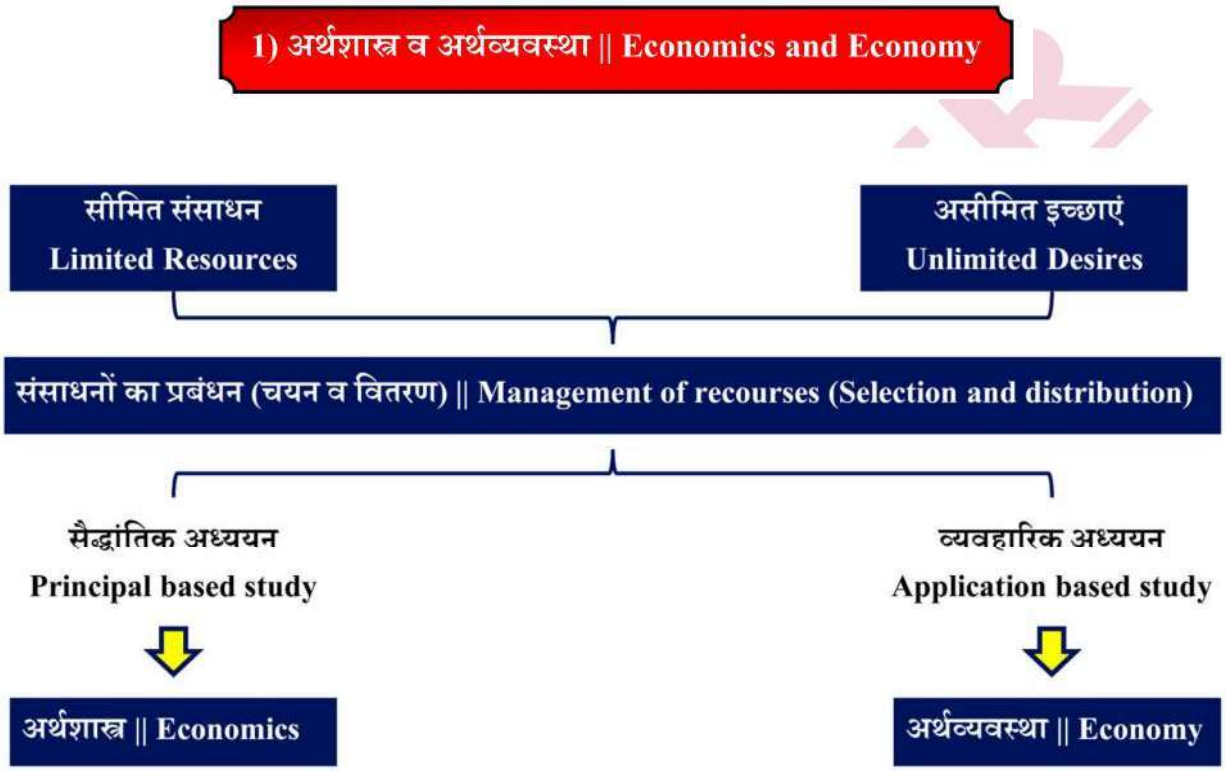

अर्थशास्त्र (ECONOMICS)

अर्थव्यवस्था - न्यूनत्तम संसाधनों में अधिकतम उत्पादन को अर्थव्यवस्था कहते हैं। अर्थशास्त्र के जनक एडम स्मिथ को कहते हैं उनकी पुस्तक Wealth of Nation 1776 में प्रकाशित हुई। उन्होंने कर का सिद्धांत दिया भारतीय अर्थशास्त्र के जनक विश्वेश्रैया को कहते हैं।

अर्थव्यवस्था का क्षेत्रप - अर्थव्यस्था में आय के माध्य को क्षेत्रप कहते हैं। इन्हें 3 भागों में बांटते हैं-

Download pdf:- www.studyhelper.in

प्राथमिक क्षेत्र – जब आय का श्रोत सीधे प्राकृतिक से जुड़ा हो तो उसे प्राथमिक क्षेत्र कहते हैं।

Ex:- कृषि, पशुपालन, मत्सत्य, खनन

द्वितीयक क्षेत्र – इसमें कारखानों को शामिल किया जाता है। इसमें निर्माण तथा विनिर्माण होता है।

Ex:- जैसे आटा, चक्की, गन्ना, मशीन, फैक्ट्री, Service sector

तृतीयक क्षेत्र – इसमें नौकरी व्यापार सेवा दुकान को शामिल करते हैं।

Ex:- परिवहन, Hospital, कोचिंग, नेता, खेल, Communication, Bank, शिक्षा, नौकरी ।

Note : **तृतीयक** सेक्टर में लोग बहुत कम लगे होते हैं। किन्तु आय बहुत अधिक होती है। जैसे-जैसे लोगों का विकास होता जाता है। वह प्राथमिक क्षेत्र को छोड़कर तृतीयक में चले जाते हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रारंभ में किंतु वर्तमान समय में प्राथमिक क्षेत्र का योगदान मात्र 17%, द्वितीयक क्षेत्र का योग्य 29% तथा तृतीय सेक्टर का योगदान 55% है।

संगठित क्षेत्र – जिसमें नौकरी की शर्त समय और वेतन तीनों ही निश्चित हो उसे संगठित कहते हैं। जैसे- बड़े कम्पनी की नौकरी, सरकारी नौकरी संगठित क्षेत्र में सार्वजनिक रोजगार रेलवे तथा सेना में दिया है।

असंगठित क्षेत्र – इसमें नौकरी का समय वेतन तथा छुट्टी तीनों ही अनिश्चित रहता है। भारत में सार्वजनिक रोजगार असंगठित क्षेत्र में है। सबसे बड़ा असंगठित क्षेत्र कपड़ा उद्योग में है। प्राईवेट, कृषि, दुकान।

निजी क्षेत्र – इसके सभी क्षेत्र पर निजी व्यक्ति का हाथ होता है। इसे Private (P.V.T) कहते हैं। इसका मुख्य उद्देश्य केवल लाभ कमाना है। पूंजी के आधार पर सबसे बड़ी Private कम्पनी Reliance जबकि कर की क्षमता के आधार पर सबसे बड़ी कम्पनी TATA है।

सार्वजनिक क्षेत्र – इस पर पूरी तरह सरकार का अधिकार होता है। इसे Public sector भी कहते हैं यह विकास तथा समाज कल्याण के लिए होता है। सबसे बड़ी Public क्षेत्र की कम्पनी रेलवे तथा महारत्न है।

संयुक्त क्षेत्र (P.P.P.) – इसमें निजी तथा सार्वजनिक दोनों की भागीदारी होती है। अत: इसे public private patnership कहते हैं। वर्तमान में भारत में सबसे तेजी से ppp का विकास हो रहा है। उदाहरण – मेट्रो

सरकारी (P.P.P.) – इसमें निजी तथा सार्वजनिक दोनों की भागीदारी होती है अत: इसे Public Private Patnership कहते हैं। वर्तमान में भारत में सबसे तेजी से ppp का विकास हो रहा है। उदाहरण-मेट्रो

सहकारी (Co-operative) – जब किसी कम्पनी का दिशा निदेशक सरकार देती है उसे co-operative कहते हैं।

Ex: Co-operative Bank co-operative का संचालन कई लोगों के समुह द्वारा होता है।

उत्पादन के 4 कारक

1. **पूजी** – उत्पादन में लगाया गया धन पूंजी कहलाता है यह ऋण के रूप में भी हो सकता है।
2. **भूमि** – जिस स्थान पर उत्पादन किया जाता है उसे भूमि कहते हैं। यह किराया के स्थान पर भी हो सकता है।
3. **श्रमिक** – वस्तु के उत्पादन के लिए काम कर रहे मजदूरों को श्रमिक कहते हैं।
4. **उद्यमी** – कंपनी जिस व्यक्ति की होती है उसे उद्यमी कहते हैं।